भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *132
गुरुवार, दिनांक 15 दिसंबर, 2022 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>पवन ऊर्जा क्षमता</u>

*132. श्री कोथा प्रभाकर रेड्डी: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अब तक केवल 40 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या 2017 से देश में पवन उद्योग की स्थापना की गति धीमी हो रही है और 2021 में केवल 1.45 गीगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की गई जिनमें से अनेक परियोजनाओं में कोविड-19 की दूसरी लहर और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी व्यवधानों के कारण देरी हुई और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने जून, 2021 से पहले हस्ताक्षरित विद्युत खरीद समझौतों (पीपीए) वाली परियोजनाओं के आरंभ की निर्धारित तिथि (एससीडी) के बाद साढ़े सात महीने का एक व्यापक समय-सीमा विस्तार प्रदान किया गया है, जिससे 0.7 गीगावाट क्षमता परियोजनाओं की एससीडी 2022 तक आगे बढ़ गई, परियोजना संबंधी कार्यकलाप धीमा हो गया और यह सौर ऊर्जा की तुलना में अधिक महंगी हो गई;

(घ) क्या देश भर में नई पवन-सौर हाइब्रिड परियोजनाएं स्थापित किए जाने की संभावना है; और

(ङ) यदि हां, तो उसकी वर्तमान स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है।

<u>विवरण</u>

'पवन ऊर्जा क्षमता**'** के संबंध में पूछे गए दिनांक 15.12.2022 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 132 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) 30 नवम्बर, 2022 की स्थिति के अनुसार देश में 41,895 मेगावाट क्षमता की पवन विद्युत परियोजनाएं चालू की गई हैं और 12,111 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। चालू की गई पवन विद्युत परियोजनाओं का राज्य-वार ब्यौरा अनुलग्नक-**I** में दिया गया है।

(ख) और (ग): कोविड-19 के कारण सप्लाई चेन बाधित हुई, जिससे पवन विद्युत की स्थापना की गति मंद हुई। इसी के कारण, सरकार ने कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा कार्यान्वित पवन ऊर्जा परियोजनाओं सहित सभी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए कोविड की पहली लहर के कारण 5 माह और कोविड की दूसरी लहर के कारण 2.5 माह का समय बढ़ाया। इसके साथ ही, दूसरी कोविड-19 लहर के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की वजह से पवन विद्युत परियोजना डेवलपरों को राहत देने के लिए मंत्रालय ने निर्णय लिया कि जिन पवन विद्युत परियोजनाओं के लिए 15 जून, 2021 से पहले पीपीए पर हस्ताक्षर किए गए तथा डब्ल्यूटीजी के लिए आदेश दे दिए गए थे, कार्यान्वयन एजेंसियाँ परियोजना चालू करने की निर्धारित तिथि से 3 (तीन) महीने तक अतिरिक्त समय-विस्तार की अनुमति दे सकती हैं।

(घ) और (ङ): विभिन्न केन्द्र तथा राज्य एजेंसियों द्वारा कुल 5,420 मेगावाट क्षमता की पवन-सौर हाइब्रिड परियोजनाएं आवंटित की गई हैं, जिनमें से 1440 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं पहले ही चालू हो चुकी हैं। आवंटित की गई पवन-सौर हाइब्रिड परियोजनाओं का ब्यौरा अनुलग्नक-**II** में दिया गया है।

अनुलग्नक-**I**

'पवन ऊर्जा क्षमता' के संबंध में पूछे गए दिनांक 15.12.2022 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 132 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-**I**

पवन विद्युत की स्थापित क्षमता (30 नवम्बर, 2022 की स्थिति के अनुसार)

राज्य	संचयी पवन विद्युत क्षमता (मेगावाट)
आन्ध्र प्रदेश	4096.65
गुजरात	9860.62
कर्नाटक	5268.15
केरल	62.50
मध्य प्रदेश	2844.29
महाराष्ट्र	5012.83
राजस्थान	4681.82
तमिलनाडु	9936.01
तेलंगाना	128.10
अन्य	4.30
कुल	**41895.27**

अनुलग्नक-**II**

'पवन ऊर्जा क्षमता' के संबंध में पूछे गए दिनांक 15.12.2022 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 132 के भाग (घ) और (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-**II**

क्र.सं.	बोली	आवंटित क्षमता (मेगावाट)	चालू की गई क्षमता (मेगावाट)	बोली करने वाली एजेंसी	न्यूनतम टैरिफ (रु./यूनिट)
1.	सेकी विंड सोलर हाइब्रिड ट्रेंच-I	840	840	केन्द्रीय	2.67
2.	सेकी विंड सोलर हाइब्रिड ट्रेंच-II	600	600	केन्द्रीय	2.69
3.	सेकी विंड सोलर हाइब्रिड ट्रेंच-III	1110	0	केन्द्रीय	2.41
4.	सेकी विंड सोलर हाइब्रिड ट्रेंच-IV	1200	0	केन्द्रीय	2.34
5.	एमएसईडीसीएल	500	0	राज्य	2.62
6.	सेकी विंड सोलर हाइब्रिड ट्रेंच-IV	1170	0	केन्द्रीय	2.53
	कुल	**5420**	**1440**		

*****